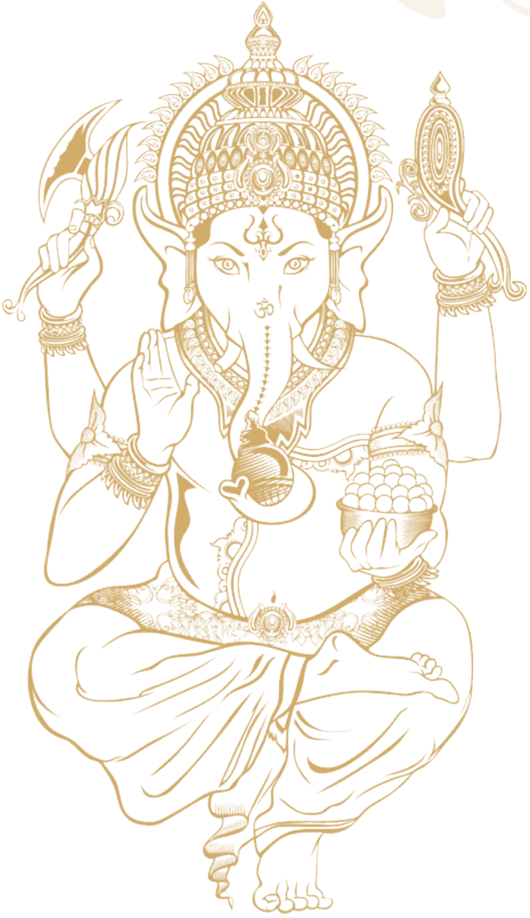

Urmila siyag

23 Aug 2003

02:00 AM

Barmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 120960509

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22-23/08/2003**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**02:00:00 घंटे**
इष्ट	49:09:25 घटी
स्थान	**Barmer**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:43:00 उत्तर
रेखांश	71:25:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:44:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:15:40 घंटे
वेलान्तर	-00:03:02 घंटे
साम्पातिक काल	23:18:36 घंटे
सूर्योदय	06:20:13 घंटे
सूर्यास्त	19:13:57 घंटे
दिनमान	12:53:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	05:25:39 सिंह
लग्न के अंश	07:39:08 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वज्र
करण	बव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	की-किशोर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	07:39:08	328:57:10	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			सिंह	05:25:39	00:57:49	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मूलत्रिकोण
चंद्र			मिथु	06:29:01	12:15:10	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
मंगल	व		कुंभ	12:40:12	00:15:18	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
बुध			कन्या	00:58:30	00:28:57	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	उच्च राशि
गुरु		अ	सिंह	05:06:20	00:13:05	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मित्र राशि
शुक्र		अ	सिंह	06:33:19	01:14:18	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
शनि			मिथु	15:50:52	00:05:58	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		वृष	00:50:29	00:04:04	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	00:50:29	00:04:04	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	06:59:52	00:02:24	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप	व		मक	17:23:46	00:01:32	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	23:20:29	00:00:12	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			कुंभ	24:50:06	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:16

लग्न-चलित

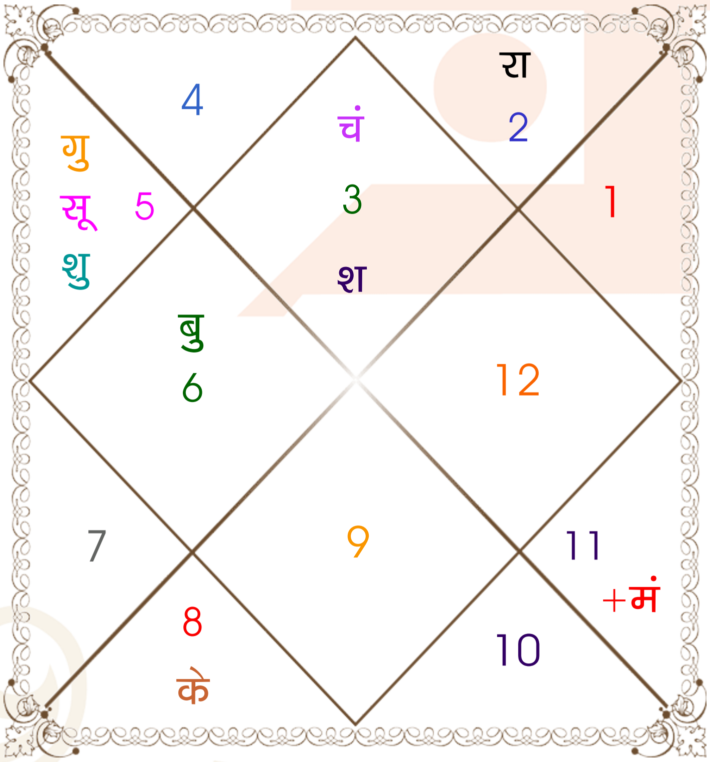

चन्द्र कुंडली

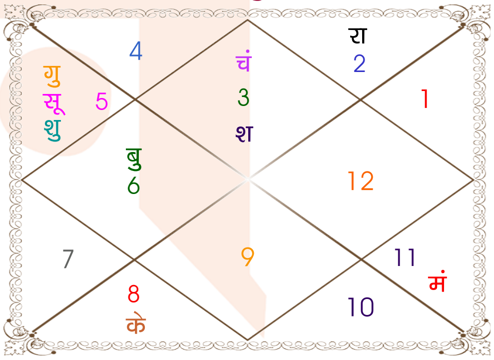

नवमांश कुंडली

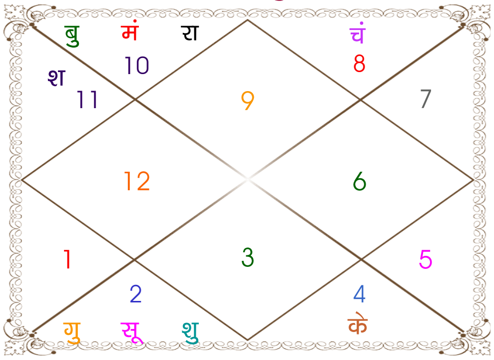

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 1 मास 4 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
23/08/2003		27/09/2003		26/09/2021		26/09/2037		26/09/2056	
27/09/2003		26/09/2021		26/09/2037		26/09/2056		26/09/2073	
	00/00/0000	राहु	09/06/2006	गुरु	14/11/2023	शनि	29/09/2040	बुध	23/02/2059
	00/00/0000	गुरु	01/11/2008	शनि	28/05/2026	बुध	09/06/2043	केतु	20/02/2060
	00/00/0000	शनि	08/09/2011	बुध	02/09/2028	केतु	18/07/2044	शुक्र	21/12/2062
	00/00/0000	बुध	28/03/2014	केतु	09/08/2029	शुक्र	18/09/2047	सूर्य	27/10/2063
	00/00/0000	केतु	15/04/2015	शुक्र	09/04/2032	सूर्य	30/08/2048	चंद्र	28/03/2065
	00/00/0000	शुक्र	15/04/2018	सूर्य	26/01/2033	चंद्र	31/03/2050	मंगल	25/03/2066
	00/00/0000	सूर्य	10/03/2019	चंद्र	28/05/2034	मंगल	10/05/2051	राहु	11/10/2068
	23/08/2003	चंद्र	08/09/2020	मंगल	04/05/2035	राहु	16/03/2054	गुरु	17/01/2071
चंद्र	27/09/2003	मंगल	26/09/2021	राहु	26/09/2037	गुरु	26/09/2056	शनि	26/09/2073

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
26/09/2073		26/09/2080		27/09/2100		27/09/2106		27/09/2116	
26/09/2080		27/09/2100		27/09/2106		27/09/2116		24/08/2123	
केतु	22/02/2074	शुक्र	26/01/2084	सूर्य	15/01/2101	चंद्र	29/07/2107	मंगल	23/02/2117
शुक्र	24/04/2075	सूर्य	26/01/2085	चंद्र	16/07/2101	मंगल	27/02/2108	राहु	14/03/2118
सूर्य	30/08/2075	चंद्र	26/09/2086	मंगल	21/11/2101	राहु	28/08/2109	गुरु	18/02/2119
चंद्र	30/03/2076	मंगल	27/11/2087	राहु	16/10/2102	गुरु	28/12/2110	शनि	28/03/2120
मंगल	27/08/2076	राहु	26/11/2090	गुरु	04/08/2103	शनि	28/07/2112	बुध	26/03/2121
राहु	14/09/2077	गुरु	27/07/2093	शनि	16/07/2104	बुध	28/12/2113	केतु	22/08/2121
गुरु	21/08/2078	शनि	26/09/2096	बुध	22/05/2105	केतु	29/07/2114	शुक्र	22/10/2122
शनि	30/09/2079	बुध	28/07/2099	केतु	27/09/2105	शुक्र	28/03/2116	सूर्य	27/02/2123
बुध	26/09/2080	केतु	27/09/2100	शुक्र	27/09/2106	सूर्य	27/09/2116	चंद्र	24/08/2123

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 1 मा 4 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।